Thirteenth Loksabha

Session : 9
Date : 29-04-2002

Participants : Suman Shri Ramji Lal

Title: Need to ensure availability of potable water and check its commercialisation.*

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : सभापति महोदय, देश में गत चार वर्षों से एक नए उद्योग का उदय हुआ और देखते ही देखते यह उद्योग आज 1000 करोड़ रुपए का व्यापार करने लगा। उद्योग है पानी की बिक्री का। आज इस उद्योग में सैकड़ों कम्पनियां जिनमें दर्जनों बहुराट्रीय कंम्पनियां भी हैं, लगी हुई हैं। आज देश में पानी दूध की कीमत पर बेचा जा रहा है। नगरपालिकाओं और रेलवे स्टेशनों पर सरकारी जल व्यवस्था ठप्प हो रही है। साथ ही उनके प्रति प्रामाणिकता भी समाप्त हो गई है कि उनमें शुद्ध जल है। पानी पर जो समाज का अधिकार होना चाहिए था, निजीकरण के नाम पर उस पर मुट्ठीभर उद्योगपतियों का अधिकार बढ़ता जा रहा है। परिणामतः आज पेयजल का भी अभाव इस देश में हो रहा है। उपलब्ध जल का आधा पानी बिना उपयोग के समुद्र में बहता है। जल-व्य वस्था के विशेाज्ञ अनेकों महानुभावों ने इस आशय का मत व्यक्त किया है कि जल पर समाज के अधिकार को बनाए रखा जाना बहुत जरूरी है। मेरा सरकार से आग्रह है कि जल के इस व्यापारीकरण पर रोक लगाए और सरकार पेयजल व्यवस्था को व्यवस्थित व विश वसनीय बनाने के लिए अविलम्ब कार्रवाई करे।